Dr. Jaya
Deptt of Sociology
B.A Part II (Hons)

Paper IV

Method of Social Research

Qualitative Method | Quantitative Method

Qualitative Method — इस विधि के अंतर्गत विभिन्न तथ्यों का अध्ययन गुणात्मक रूप से किया जाता है। प्राचीनकाल में केवल गुणात्मक विधियों का ही प्रयोग होता था। गुणात्मक विधियों का आधार तर्कशास्त्र है। विभिन्न घटनाओं का निरीक्षण करके तर्कशास्त्र की आगमन निगमन विधियों के आधार पर इन विभिन्न प्रकार [illegible] निष्कर्ष निकालते हैं। गुणात्मक विधियाँ बहुत [illegible] सिद्धांतों पर आधारित होती हैं तथा उन्हीं सिद्धांतों [illegible] तथा समस्त उपयोग विभिन्न घटनाओं में किया जाता [illegible]

Qualitative Method

Interview | Observation | Schedule | Case Study

Interview — Discreptive Interview [illegible] संबंधित लोगों से इनके [illegible] तथा प्रतिक्रियायें एक कहानी के रूप में [illegible]

Case Study Method — इस विधि के [illegible] इकाईयों का [illegible] है [illegible] विस्तृत अध्ययन किया जाता [illegible] पर ~~सूक्ष्म~~ विशेष विभिन्न [illegible]

Scanned by CamScanner

Observation Method — जैसे कि यह विधि का प्रयोग सदैव उद्देश्यपूर्ण तथा सूक्ष्म होता है। निरीक्षण का उद्देश्य पारस्परिक संबंधों तथा कार्य कारण का पता लगाना होता है। यह सामाजिक अनुसंधान में घटना के बारे में प्राथमिक तथ्य संग्रह करने की प्रमुख विधि है।

Schedule — अनुसूची वह प्रपत्र है जिसमें प्रश्न तथा खाली स्थानों की रहती है जिन्हें क्षेत्रीय कार्यकर्ता द्वारा पूछकर तथा उत्तरदाता की उपस्थिति में पूछकर भरे जाते हैं।

Questionnaire — प्रश्नावली की रूपरेखा अनुसूची के समान ही होती है, दोनों के द्वारा प्रायः एक ही उद्देश्य की पूर्ति करते हैं। परन्तु प्रश्नावली का उपयोग प्रत्यक्ष साक्षात्कार के लिए नहीं वरन डाक द्वारा सूचना प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

सामाजिक अनुसंधान में गुणात्मक विधियों का उपयोग विशेष रूप से होता है। इसका कारण यह है कि सामाजिक तथ्य स्वभाव से गुणात्मक तथा जटिल होते हैं। हम उनको जानते हैं परन्तु उनको निश्चित माप नहीं बता सकते। [illegible] रुढिवादिता, रहन-सहन का स्तर से [illegible] होता है, यह हम जानते तो हैं परन्तु उनकी ठीक माप क्या है, उसका अनुमान [illegible] सकते हैं। अतएव अधिकांश अनुसंधान [illegible] गुणात्मक होता है तथा वर्णनात्मक [illegible] होती है। यही कारण है कि [illegible]

1) गुणात्मक विधियों का प्रयोग आवश्यक होता है।

2) संख्यात्मक विधि — इसे सांख्यिकीय विधि भी कहते हैं। इसके अनुसार विभिन्न तथ्यों की निश्चित माप भी दी जाती है। इसके अतिरिक्त जहाँ गुणात्मक विधियाँ थोड़ी सी व्यक्तिगत इकाइयों पर आधारित हो सकती हैं, वहीं सांख्यिकीय विधि में एक पर्याप्त संख्या में इकाइयों का होना आवश्यक है। सांख्यिकीय विधि के उपयोग की पहली शर्त यह है कि घटना को संख्यात्मक रूप में नापा जा सके। कुछ घटनाएँ तो ऐसी होती हैं जिनकी प्रत्यक्ष माप होती है। जैसे - परिवार का आकार, लोगों की आय, बीमारी आदि के आँकड़े। परन्तु अन्य कुछ ऐसी होती हैं जिनकी प्रत्यक्ष माप संभव नहीं है, जैसे किसी व्यक्ति की पसंद की माप या रहन-सहन के स्तर की माप, इत्यादि। ऐसी घटनाओं को भी उचित पैमाने द्वारा मापने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए विभिन्न प्रकार के Sociometry पैमाने का विकास किया गया है।

Quantitative Method

- Mean, Median, Mode
  (Central Tendency)
- Correlation, deviation
  - Chi Square
    (Variability)
- Scaling technique